कानपुर, गुरुवार, 22 जनवरी, 2026
वर्षः 03, अंकः 24, पृष्ठः 8+4
प्रधान संपादकः पुरुषोत्तम द्विवेदी

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

www.swarajindianews.com
swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड वंदे भारत स्लीपर का जबरदस्त क्रेज...>Pg12
रेलवेः पार्सल दलालों को डर नहीं...> Pg03

मूल्यः 2 ₹

स्वागत की राजनीति से महाजाम ‘चक्रव्यूह’ में उलझा कानपुर

- ☛ जाजमऊ गंगा पुल पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत ने शहर की रफ्तार रोकी
- ☛ दोनों ओर 10-10 किमी लंबा जाम, एंबुलेंस और जरुरी सेवाएं भी फंसीं रहीं
- ☛ सांसद देवेंद्र सिंह भोले भी जाम में फंसे, वाहन छोड़कर पैदल पहुंचे गंगा पुल
- ☛ ट्रैफिक प्लान के बिना आयोजन पर भड़के सांसद, अफसरों व पार्टी नेताओं से तीखी बहस
- ☛ घंटों जाम में तड़पती रही जनता, प्रशासनिक लापरवाही पर उठे कई सवाल

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। राजनीतिक स्वागत की होड़ ने गुरुवार को कानपुर को जाम की गिरफ्त में ले लिया। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के जाजमऊ गंगा पुल पर प्रस्तावित स्वागत कार्यक्रम के चलते शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। बिना ठोस ट्रैफिक प्लान और वैकल्पिक मार्ग तय किए गए आयोजन के कारण गंगा पुल और उससे जुड़े मार्गों पर दोनों ओर करीब 10-10 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। हालात इतने बिगड़े कि एम्बुलेंस, स्कूल वाहन और आवश्यक सेवाओं को भी घंटों इंतजार करना पड़ा।

जाम की भयावहता तब और उजागर हुई जब सांसद भोले सिंह खुद इसमें फंस गए। काफी देर तक वाहन आगे न बढ़ने पर सांसद को अपनी गाड़ी छोड़नी पड़ी और लगभग एक किलोमीटर पैदल चलकर गंगा पुल तक

पहुंचना पड़ा। मौके पर पहुंचते ही सांसद की एडीसीपी अंजली विश्वकर्मा से तीखी नोकझोंक हो गई। सांसद ने सीधे सवाल किया कि जब कार्यक्रम की जानकारी पहले से थी, तो भारी वाहनों और ट्रकों की आवाजाही किसके आदेश पर जारी रखी गई।

सांसद भोले सिंह ने प्रशासनिक समन्वय की कमी और लचर ट्रैफिक मैनेजमेंट को इस पूरे घटनाक्रम का जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक कार्यक्रमों के नाम पर आम जनता को घंटों जाम में फंसाना निंदनीय है। सांसद ने मौके पर मौजूद भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल को भी कड़ी फटकार लगाई और स्पष्ट किया कि भीड़ जुटाने से पहले नागरिकों की सुविधा और यातायात प्रबंधन सर्वोपरि होना चाहिए।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जाजमऊ गंगा पुल पहले से ही कानपुर का सबसे संवेदनशील ट्रैफिक प्वाइंट है। ऐसे में बिना ठोस योजना और वैकल्पिक इंतजामों के बड़े नेताओं का स्वागत कार्यक्रम करना प्रशासनिक अदूरदर्शिता को दर्शाता है।

घंटों जाम में फंसे लोगों में प्रशासन और राजनीति दोनों के प्रति आक्रोश और बेबसी साफ नजर आई। इस महाजाम ने एक बार फिर सवाल खड़ा कर दिया है क्या शहर की व्यवस्था राजनीतिक स्वागत से बड़ी नहीं?

> स्वागत के नाम पर सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया गया है, विश्वविद्यालय के अन्दर किस हिसाब से कार्यक्रम किया गया, जनता को परेशान करने के लिए कई रास्ते बंद कर दिए गए
>
> \- अमिताभ बाजपेई सपा विधायक

> पंकज चौधरी जी अगर आपको कानपुर के कार्यकर्ताओं से मिलना था तो कोई बड़ा गेस्ट हाउस बुक करके एक एक व्यक्ति से मिल सकते थे और वहीं अपना स्वागत करवा लेते। इस तरह से पूरे कानपुर की जनता ,स्कूल के बच्चों ,मरीजों को परेशान करने की क्या जरूरत थी
>
> \- संदीप शुक्ला जिलाध्यक्ष कांग्रेस ग्रामीण

जम्मू-कश्मीर में सेना का वाहन खाई में गिरा, 10 जवान बलिदान

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

- ⇨ भद्रवाह-चंबा रोड पर खन्नी टॉप के पास हुआ हादसा, 200 फीट गहरी खाई में गिरी बुलेटप्रूफ गाड़ी
- ⇨ 17 जवान थे सवार, 7 घायल 3 की हालत गंभीर, घायलों को एयरलिफ्ट कर उधमपुर भेजा गया

डोडा। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में गुरुवार को सेना के वाहन के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से बड़ा हादसा हो गया। भद्रवाह-चंबा इंटरस्टेट रोड पर खन्नी टॉप के पास सेना की बुलेटप्रूफ गाड़ी अनियंत्रित होकर करीब 200 फुट गहरी खाई में गिर गई। इस दर्दनाक हादसे में 10 सैनिकों की जान चली गई, जबकि 7 अन्य जवान घायल हो गए हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, हादसे के समय वाहन में कुल 17 सैनिक सवार थे। यह वाहन एक ऊंची सैन्य पोस्ट की ओर जा रहा था। खन्नी टॉप के पास अचानक चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा, जिसके बाद गाड़ी गहरी खाई में जा गिरी।हादसे की सूचना मिलते ही सेना और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। घटनास्थल से 10 सैनिकों के शव बरामद किए गए।

घायल जवानों को तुरंत प्राथमिक उपचार दिया गया, जिसके बाद गंभीर रूप से घायल तीन सैनिकों सहित सभी घायलों को एयरलिफ्ट कर उधमपुर स्थित सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है।फिलहाल हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। इलाके में राहत एवं बचाव कार्य पूरा कर लिया गया है।

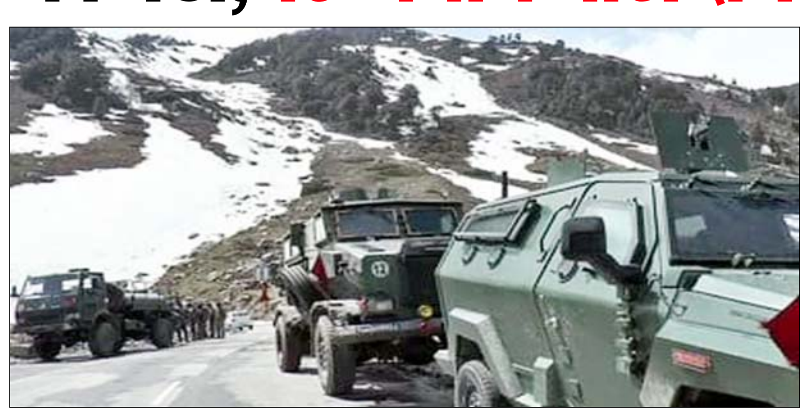

23 जनवरी को शाम छह से साढ़े छह बजे तक ब्लैक आउट

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर। नेता जी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर 23 जनवरी को हवाई हमले के बाद बचाव को लेकर मॉकड्रिल किया जाएगा। एडीएम सिटी डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि जिले के कर्नलगंज, ग्वालटोली, नई सड़क, साइकिल मार्केट, यतीम खाना, बेगमगंज, बेकनगंज, तलाक महल, परेड, पीपीएन मार्केट आदि इलाकों में 23 जनवरी को शाम छह से साढ़े छह बजे तक ब्लैक आउट किया जाएगा। इस दौरान लोगों का घर से बाहर निकलना, लाइट जलाना, शोर मचाना आदि प्रतिबंधित रहेगा। मॉक ड्रिल के लिए राजकीय इंटर कॉलेज, चुन्नीगंज से शाम छह बजे दो मिनट का सायरन बजाया जाएगा।

इस दौरान नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवक छोटी आग बुझाने के लिए फायर एक्सटिंग्युशर का प्रयोग, बड़ी आग बुझाने के लिए फायर टेंडर व्हीकल का प्रयोग किया जाएगा। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाने और प्राथमिक उपचार देने का भी रिहर्सल होगा। एडीएम सिटी डॉ. राजेश कुमार ने इस मॉकड्रिल को लेकर नागरिक सुरक्षा, डीडीएमए, एसडीआरएफ, अग्निशमन, पुलिस, स्वास्थ्य और अन्य जिम्मेदार विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। एडीएम सिटी ने बताया कि कभी हमला हुआ तो आमजनमानस के लिए यह रिहर्सल कारगर साबित होगा।

टीबी मुक्त भारत के लिए एडी हेल्थ ने 200 मरीजों को पोषण पोटली प्रदान की

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर । अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कानपुर मण्डल डॉ जी के मिश्रा ने डीटीसी में 200 मरीजों को पोषण पोटली प्रदान की। इस दौरान उन्होंने कहा कि टीबी मुक्त भारत के लिए सबको मिलकर प्रयास करना होगा।

ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेडए जालान साहब की ओर से 200 पोषण पोटली जिला क्षयरोग अधिकारी को टीबी मरीजों के वितरण को दी गई। पोटली प्रदान करते हुए टीबी मरीजों को जागरूक करते हुए कहा कि दवाई नियमित लें और जल्द स्वस्थ हों। यहां जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ सुबोध यादव समेत कई डॉक्टर मौजूद रहे।

बहेगी भजनों की गंगा होगा संगीतमय सुंदरकांड का पाठ

» श्री शिव दुर्गेश्वरी मंदिर का स्थापना दिवस समारोह कल से, सजेगी माता की चौकी

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर। पनकी स्थित स्वराज नगर के श्री श्री शिव दुर्गेश्वरी मंदिर का 20वां भव्य स्थापना दिवस समारोह कल यानी 23 जनवरी से हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। तीन दिनों तक चलने वाले इस धार्मिक महोत्सव में विविध अनुष्ठानों का आयोजन किया जा रहा है।मंदिर आयोजन समिति के मुताबिक उत्सव का शुभारंभ श्री विग्रह अभिषेक के साथ होगा। इसी दिन शाम 4 बजे से विशाल माता की चौकी का आयोजन होगा।

जिसमें प्रसिद्ध भजन गायक विनय शर्मा, शैलजा कपूर, आरती गुप्ता और सुशील साँवरिया अपनी मधुर वाणी से माता का गुणगान करेंगे और भक्तों को भक्तिरस में सराबोर करेंगे।समारोह के दूसरे दिन शनिवार को शाम 4 बजे से संगीतमय श्री सुंदरकाण्ड का पाठ होगा, जिसके व्यास श्री अविनाश पाण्डेय शास्त्री होंगे। कार्यक्रम का समापन 25 जनवरी (रविवार) को विशाल भंडारे के साथ होगा। भंडारा दोपहर 12 बजे से शुरू होकर प्रभु इच्छा तक अनवरत चलेगा। मंदिर समिति ने क्षेत्र के सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से सपरिवार महोत्सव में शामिल होने की अपील की है।

रेलिंग तोड़कर खेत में घुसी बीएमडब्ल्यू, 100 की थी स्पीड

चालक घायल, लोग बोले- स्टंटबाजी कर रहे थे

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर। चकेरी थाना क्षेत्र में एक युवक अपनी बीएमडब्ल्यू कार को 100 की स्पीड में दौड़ाते हुए दुर्घटनाग्रस्त कर बैठा। कार रेलिंग तोड़कर खेत में घुस गई, जिसमें चालक मामूली रूप से घायल है। पुलिस ने क्रेन की मदद से कार को कब्जे में लिया है।

कानपुर के चकेरी थाना क्षेत्र में बुधवार रात में एक बीएमडब्लू कार अनियंत्रित होकर रेलिंग तोड़ते हुए खेत में घुस गई। हादसे में कार चालक मामूली रूप से चुटहिल हुआ है। इस दौरान उसके साथियों ने सुरक्षित बाहर निकाला और प्राथमिक उपचार करवाकर घर ले गए। एयरपोर्ट रोड पर सन्नाटा होने के चलते दोपहिया और चार पहिया वाहन सवार फर्राटा भरते है।

बुधवार रात 100 से अधिक की रफ्तार में एक बीएमडब्लू कार आ रही थी। तभी अंधा मोड़ होने के चलते बीएमडब्लू कार अनियंत्रित होकर रेलिंग तोड़ते हुए खेत में घुस गई। वहीं कार चालक जाजमऊ के सुल्तान कंपाउंड निवासी सैफ आलम का बेटा

साद (20) मामूली रूप से चुटहिल हो गया। वह अपने दो दोस्तों के साथ घूमने निकला था। कार साद चला रहा था।

किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई

इस दौरान उसके साथियों ने सुरक्षित बाहर निकाला और प्राथमिक उपचार कराकर घर ले गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार सवार स्टंटबाजी कर रहे थे। जिस दौरान हादसा हुआ, उस समय वहां से कई वाहन गुजर रहे थे। तभी मोड़ पर कार संभाल नहीं पाए और खेत में जा घुसे। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने

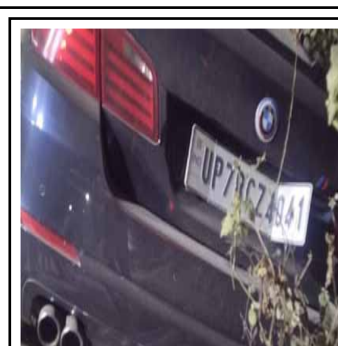

बताया कि कार को क्रेन के माध्यम से बाहर निकलवाया गया। हादसे में किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई है।

अनाउंसमेंट के बावजूद खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ रही, रेलवे सुरक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

रेल पटरी फांदना अपराध, फिर भी पार्सल दलालों को डर नहीं

स्वराज इंडिया न्यूज

स्वराज इंडिया एक्सक्लूसिव

कानपुर। रेलवे ट्रैक पार करना कानूनन दंडनीय अपराध है और इसे लेकर रेलवे प्रशासन द्वारा स्टेशन परिसर में लगातार अनाउंसमेंट भी किए जाते हैं, इसके बावजूद नियमों का खुलेआम उल्लंघन जारी है। कानपुर सेंट्रल स्टेशन की वायरल हो रही तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि पार्सल दलालों के प्राइवेट कर्मचारी भारी माल लादकर रेलवे पटरियों और यार्ड के बीच से गुजर रहे हैं। यह स्थिति न केवल उनकी जान के लिए खतरा है, बल्कि रेलवे सुरक्षा और संचालन व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है।

तस्वीरों में दिख रहा है कि लोग बिना किसी सुरक्षा इंतजाम के रेल पटरियों को पार कर रहे हैं, जबकि उसी मार्ग से कभी भी ट्रेन या इंजन गुजर सकता है। इसके बावजूद इन पर न तो किसी तरह की रोक-टोक हो रही है और न ही कोई कार्रवाई। सवाल यह है कि जब नियम स्पष्ट हैं और खतरा सामने है, तो रेलवे सुरक्षा बल और संबंधित विभाग आंख मूंदकर क्यों बैठे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कोई एक-दो दिन की घटना नहीं, बल्कि रोजमर्रा की स्थिति बन चुकी है। पार्सल दलालों के कर्मचारी सुविधा के नाम पर पटरियों को रास्ते के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी रेलवे प्रशासन पर होगी। हालांकि स्टेशन परिसर में बार-बार यह चेतावनी दी जाती है कि रेलवे पटरी पार करना दंडनीय अपराध है, फिर भी पार्सल दलालों के कर्मचारी बेखौफ होकर यही काम करते नजर आ रहे हैं।

घटनास्थल पर सुरक्षा कर्मियों की मौजूदगी के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई न होना संदेह पैदा करता है। लोगों का आरोप है कि जानबूझकर नियमों को नजरअंदाज किया जा रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक यह दृश्य रोज देखने को मिलता है। अगर इसी तरह लापरवाही जारी रही, तो किसी बड़े रेल हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता।

- रेल पटरी पार करना कानूनन अपराध, फिर भी खुलेआम उल्लंघन
- पार्सल दलालों के प्राइवेट कर्मचारियों पर नियमों का पालन नहीं
- भारी माल के साथ रेलवे यार्ड और पटरियों से आवाजाही
- अनाउंसमेंट और चेतावनी बोर्ड बेअसर
- रेलवे सुरक्षा बल और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल
- स्थानीय लोगों में हादसे को लेकर हर वक्त रहा डर
- पार्सल दलालों की भूमिका की जांच की मांग
- नियमों को सख्ती से लागू करने की जरूरत

चेन लुटेरे का हाफ एनकाउंटर पैर में लगी गोली

कानपुर। गुरुवार तड़के सुबह मुखबिर की सूचना पर क्राइम ब्रांच और रावतपुर पुलिस की संयुक्त टीम दलहन रोड पर सघन चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान तीन मोटरसाइकिल सवार युवक आते दिखाई दिए। पुलिस ने जब उन्हें रोकने का प्रयास किया तो एक आरोपी ने पुलिस टीम पर तमंचे से फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लग गई, जबकि उसके दो साथी मौके से फरार हो गए।

➪ क्राइम ब्रांच और रावतपुर पुलिस ने दलहन रोड पर बदमाश को दबोचा, साथी फरार

पुलिस के अनुसार, चेकिंग के दौरान बाइक सवारों की संदिग्ध गतिविधि देख उन्हें रुकने का इशारा किया गया था। इसी बीच एक आरोपी ने जान से मारने की नीयत से पुलिस पर फायर कर दिया। जवाबी फायरिंग में आरोपी घायल होकर गिर पड़ा। घायल बदमाश ने पूछताछ में अपना नाम नियाज़ अहमद उर्फ छुटकन, निवासी गोंडा बताया है। उसके साथ मौजूद दो अन्य आरोपी विजय और एक अन्य युवक घटना के बाद फरार हो गए। पुलिस उनकी तलाश में लगातार दबिश दे रही है। पुलिस टीम ने घायल आरोपी को इलाज के लिए कल्याणपुर स्थित सीएचसी में भर्ती कराया।

चेन लूट की वारदात कबूली

पुलिस पूछताछ में घायल आरोपी ने महिला से चेन लूट की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी और उसके फरार साथियों ने 8 जनवरी को रावतपुर थाना क्षेत्र के केशवपुरम इलाके में एक बुजुर्ग महिला से चेन लूट की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक 15 बोर का तमंचा, एक खोखा, दो जिंदा कारतूस और 4,500 रुपए नकद बरामद किए हैं।

कुशाग्र हत्याकांड: 711 दिनों में 134 सुनवाई और तीन हत्यारों को उम्रकैद

ट्यूशन टीचर, उसका प्रेमी और साथी दोषी करार, कोर्ट ने माना अपहरण के बाद गला घोंटकर हत्या

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर के बहुचर्चित छात्र कुशाग्र कनोडिया हत्याकांड में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाते हुए तीनों दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अपर जिला जज-11 सुभाष सिंह की अदालत ने ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, उसके प्रेमी प्रभात शुक्ला और उसके दोस्त आर्यन उर्फ शिवा को अपहरण, फिरौती और हत्या का दोषी माना। प्रभात और आर्यन को सबूत मिटाने का भी दोषी करार दिया गया है।

➪ 711 दिनों में 134 सुनवाई, 600 पेज की चार्जशीट और सीसीटीवी-तकनीकी साक्ष्यों से साबित हुआ जुर्म

कोर्ट के फैसले के बाद कुशाग्र की मां भावुक हो गईं। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक द्वारा किया गया यह कृत्य घृणा से भरा हुआ है। उन्होंने बताया कि उन्होंने तीनों आरोपियों से आमने-सामने बात की, लेकिन किसी के चेहरे पर कोई पछतावा नजर नहीं आया।कुशाग्र के चाचा ने कोर्ट के फैसले पर असंतोष जताते हुए कहा कि वे उम्रकैद से संतुष्ट नहीं हैं और फांसी की सजा की मांग को लेकर हाईकोर्ट जाएंगे। उन्होंने कहा, ढाई साल से कोर्ट के चक्कर काट रहा हूं, आंसू सूख चुके हैं। जब तक हत्यारों को फांसी नहीं मिलेगी, मेरे बेटे की आत्मा को शांति नहीं मिलेगी। पीड़ित पक्ष की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता चिन्मय पाठक ने बहस के दौरान सुप्रीम कोर्ट के दो महत्वपूर्ण फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि अपहरण के बाद निर्मम हत्या जैसे मामलों में मृत्युदंड दिया जाना चाहिए।

मंगलवार को अदालत ने तीनों को दोषी ठहराया था। कोर्ट ने माना कि तीनों ने साजिश के तहत कुशाग्र का अपहरण किया, 30 लाख रुपये की फिरौती मांगी और बाद में गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से कुल 14 गवाह पेश किए गए। अभियोजन के अनुसार, पुलिस ने 600 पेज की चार्जशीट दाखिल की थी। ट्रायल के दौरान 240 पेज की जिरह हुई और कोर्ट में 42 दस्तावेज प्रमाणित किए गए। साथ ही घटना से जुड़ी 112 वस्तुएं बरामद की गईं।वरिष्ठ अभियोजन अधिवक्ता कमलेश पाठक ने बताया कि 9 फरवरी 2024 को मामला सत्र न्यायालय भेजा गया था। 3 मई को आरोप तय हुए और इसके बाद 711 दिनों में 134 सुनवाई पूरी की गई। गुरुवार को 135वीं सुनवाई में कोर्ट ने तीनों दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई।

हिन्दू सम्मेलन में मानवता, सामाजिक समरसता पर चर्चा

बड़ी संख्या में नागरिकों, मातृशक्ति, युवाओं और स्वयंसेवकों की सहभागिता रही

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर हिन्दू सम्मेलन आयोजन समिति, नागेश्वर बस्ती श्रद्धानंद नगर की ओर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में नयागंज चौराहा, कानपुर में विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन शांतिपूर्ण, अनुशासित और गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

सम्मेलन में जगतगुरु कृपालु महाराज की शिष्या साध्वी डॉ कुंजेश्वरी देवी के प्रेरक सान्निध्य के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक अनिल का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के दौरान महिला शिक्षा विषय पर गीता शिक्षण मंडल की सीता देवी ने विचार रखे।

वहीं राजकुमार दिल्लीवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सम्मेलन में बड़ी संख्या में नागरिकों, मातृशक्ति, युवाओं और स्वयंसेवकों की सहभागिता देखने को मिली। आयोजन को सफल बनाने में प्रशासन, पुलिस, मीडिया और सभी सहयोगियों की भूमिका सराहनीय रही। आयोजन समिति की ओर से सभी के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

पहले प्रयास में ही रामस्वरूप को मिला था आईआईटी में प्रवेश

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

FOLLOW UP

कानपुर। आईआईटी के पीएचडी छात्र राम स्वरूप के परिजन बुधवार पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। बेटे का शव देख फफक पड़े। चचेरे भाई ने कहा, होनहार था रामस्वरूप। पहले प्रयास में उसका आईआईटी में प्रवेश हुआ था। वह एथलीट था, जल्द हार मानने वाला नहीं था। वह जरूर किसी प्रेशर में था। जिससे उसने छठी मंजिल से छलांग लगाई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार उसके शरीर की 11 हड्डियां टूटी हैं। जिसमें कूल्हा, पैर, सिर की हड्डियां शामिल हैं। कोमा में जाने के कारण मौत की पुष्टि हुई है।

राजस्थान के चूरू निवासी राम प्रताप ईश्वर के तीन बेटों में 25 वर्षीय राम स्वरूप ईश्वर तीसरे नंबर के थे और आईआईटी से पीएचडी छात्र थे। रामस्वरूप एए-21 न्यू एसबीआरए बिल्डिंग में रहते थे। बड़े भाई टे रामपाल, राम निवास हैं। चचेरे भाई राजेंद्र चौधरी ने बताया कि रामस्वरूप अपनी पत्नी मंजू और बेटी चारू को बीते रविवार को ही लेकर आया था। उसकी पत्नी गर्भवती भी है। उन्होंने बताया कि रामस्वरूप रविवार यहां आने से पहले रिसर्च के लिए अपने साथी के साथ राजस्थान आया था, जहां शोध के लिए कुछ संग्रह किया था। लौटते समय परिवार लेकर आया। छठी मंजिल से कूदने से पहले उसने पत्नी से कहा था कि लैब जा रहा है।

इसके बाद लैब नहीं गया, पत्नी से कहा बालकनी में चलते हैं। फिर वह बालकनी से कूद गया। राजेंद्र के अनुसार राम स्वरूप ने कभी एंग्जाइटी की समस्या नहीं बताई। उसे तनावग्रस्त नहीं देखा। वह बहुत होनहार था। उसने जिस तरह आत्महत्या की, उससे लगता है बहुत ज्यादा प्रेशर में था। वहीं रामस्वरूप के दोस्त राजीव ने बताया उसे सिजोफ्रेनिया नामक बीमारी थी। मौजूदा समय बीमारी लो फेज में थी। आईआईटी में उनका इलाज चल रहा था। सोमवार शाम दोस्तों के साथ रामस्वरूप को फिजिशियन के पास ले गए थे। फिजिशियन ने रामस्वरूप के काउंसलर से कहा कि यहां से रेफर कर दो। इसके बाद काउंसलर ने घर भेज दिया था। मंगलवार को बुलाया था, लेकिन उससे पहले वह छठी मंजिल से कूद गया।

दिव्यांगजनों को दुकानें आवंटित कर बनाने बनाएंगे आत्मनिर्भर, मांगे गए ऑनलाइन आवेदन

कानपुर। जनपद के ऐसे समस्त दिव्यांगजन जो स्वयं का रोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर बनना चाहते हैं, उनके लिए दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित दुकान निर्माण एवं दुकान संचालन योजना के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं।

आवेदन के लिए दिव्यांगता प्रदर्शित करने वाला नवीनतम फोटो, जन्मतिथि सहित आयु प्रमाण पत्र, मुख्य चिकित्साधिकारी स्तर से निर्गत दिव्यांगता प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, अधिवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, यूडीआईडी कार्ड, राष्ट्रीयकृत बैंक में संचालित खाते का विवरण तथा दो जमानतदारों का विवरण आवश्यक होगा।

जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी विनय उत्तम ने बताया कि दुकान निर्माण योजना के अंतर्गत ऐसे दिव्यांगजन आवेदन करने के पात्र होंगे जिनके नाम पर न्यूनतम 110 वर्ग फीट की स्वयं की भूमि उपलब्ध हो तथा वह भूमि ऐसे स्थान पर स्थित हो जहाँ दुकान का निर्माण कराया जा सकता हो।

इस योजना के अंतर्गत कुल 20,000 रुपये की धनराशि दो किश्तों में स्वीकृत की जाती है, जिसमें 15,000 रुपये का ऋण चार प्रतिशत साधारण ब्याज दर पर तथा 5,000 रुपये की अनुदान राशि सम्मिलित है।

सम्पादकीय

आपसी जुड़ाव व लेखन कला निखार की पहल

निस्संदेह डिजिटल दौर के नशे में डूबी पीढ़ी वास्तविक रिश्तों से दूर होती जा रही है। वहीं दूसरी ओर छात्रों की लिखने की आदत भी छूटती जा रही है। लेखन हमारी मौलिक व सार्थक अभिव्यक्ति है और सेहत से भी जुड़ा है। पुरानी कहावत है-जिसके बहुत सारे दोस्त होते हैं उसका कोई दोस्त नहीं होता। कमोबेश मौजूदा दौर में हकीकत यही है कि जिनके सोशल मीडिया में हजारों-लाखों मित्र व फॉलोवर होते हैं वे निजी जीवन में नितांत एकाकी होते हैं। यह घातक प्रवृत्ति बच्चों में भी तेजी से घर कर रही है। लेखन में हमारी उंगलियों के पोर इस्तेमाल होते हैं, जिनके सिरे हमारे विभिन्न अंगों के स्वास्थ्य से गहरे तक जुड़े रहते हैं। कलम या पेन से लेखन हमारे बौद्धिक विकास में भी सहायक होता है। लेकिन आज मोबाइल व कंप्यूटर, लेपटॉप व टैबलेट के दौर में बच्चे लेखन से दूर होकर खुद को बेहतर ढंग से अभिव्यक्त नहीं कर पाते। इस संकट को महसूस करते हुए सीबीएसई ने छात्रों को मित्रों से जुड़ाव व उनकी लेखन कला को निखारने के लिए अभिनव पहल की है। बोर्ड ने डाक विभाग के साथ मिलकर यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन 'इंटरनेशनल लेटर राइटिंग कंपिटिशन-2026' आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम आने वाले छात्र को पचास हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। साथ ही विजेता को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका भी दिया जाएगा। छात्रों को जो पत्र लिखने का विषय दिया गया है वह मौजूदा हालात में बेहद रोचक व उपयोगी है। छात्र को अपने दोस्त को पत्र लिखना है कि मौजूदा डिजिटल दौर में लोगों का आपसी जुड़ाव व बातचीत क्यों जरूरी है। दरअसल, इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों की सोच को विस्तार देना और उनकी लेखन कला को निखारना है। वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता को जीतने वाले प्रतिभागी को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीतने पर छात्र को स्विट्ज़रलैंड के बर्न स्थित यूपीए हेड क्वार्टर का दौरा करने का अवसर मिल सकता है। इस प्रतियोगिता के प्रतिभागी नौ से पंद्रह साल के ही होने चाहिए। वे अपनी एंट्री अंग्रेजी व हिंदी में भी दे सकते हैं। प्रतिभागी अपने स्कूल के माध्यम से ही इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। निश्चित रूप से बच्चों में लिखने की घटती प्रवृत्ति के दौर में यह एक रचनात्मक प्रयास है। दरअसल, लगातार सोशल मीडिया स्क्रॉल करते बच्चे न केवल रचनात्मक लेखन से वंचित हो रहे हैं, बल्कि अपने दोस्तों से भी कटते जा रहे हैं, जिसका असर उनकी याददाश्त व सृजन क्षमता पर भी पड़ रहा है। एक समय था बच्चे डायरी लेखन व स्कूलों में कविता व लेख लिखने को खासे उत्सुक होते थे। दोस्तों के साथ खेल के मैदान और घर पर खेलना उन्हें शारीरिक व मानसिक स्तर पर स्वस्थ रखता था। लेकिन आज बच्चे ऑनलाइन खेलों में इतने मस्त हो जाते हैं कि उन्हें अपने असली दोस्तों का ख्याल ही नहीं रहता। वे जीवन की वास्तविक चुनौतियों से दूर होते जा रहे हैं।

इतना ही नहीं, आज शारीरिक सक्रियता के अभाव के कारण बच्चे छोटी उम्र में ही वयस्कों जैसे रोगों के शिकार होते जा रहे हैं। ये रोग शारीरिक भी हैं और मानसिक भी हैं। छात्र अपना बचपन स्वाभाविक रूप से नहीं जी पा रहे हैं। सही मायनों में वे समय से पहले वयस्क होते जा रहे हैं। एक समय बच्चों की लेखन क्षमता पर विशेष ध्यान दिया जाता था। परीक्षा में बाकायदा सुंदर लेखन के अतिरिक्त अंक दिए जाते हैं। लेकिन आज बच्चे इंटरनेट पर उपलब्ध शॉर्टकट के जरिये हर परीक्षा पास करना चाहते हैं। कट-पेस्ट संस्कृति ने उनकी मौलिक सोच व सृजनात्मकता को ग्रहण लगा दिया। अक्सर छात्र प्रतियोगात्मक परीक्षाओं व लेखन प्रतिस्पर्धाओं में ऑनलाइन माध्यमों व इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री को हेर-फेर के साथ प्रस्तुत करते देखे जा रहे हैं, ऐसे में सीबीएसई व पोस्टल विभाग की पहल अनुकरणीय व प्रशंसनीय है। छात्रों को जो पत्र लिखने का विषय दिया गया है वह मौजूदा हालात में बेहद रोचक व उपयोगी है। छात्र को अपने दोस्त को पत्र लिखना है कि मौजूदा डिजिटल दौर में लोगों का आपसी जुड़ाव व बातचीत क्यों जरूरी है।

विश्व व्यवस्था में रणनीतिक उलझाव पर बदलता नजरिया

निरंजन भंडारी

रणनीतिक अस्पष्टता कभी वक्त निकालने का तरीका था जिससे तनाव घटाया जा सके। ताकि इतिहास अपना काम कर सके। यह स्थायित्व में भी मददगार थी। लेकिन मौजूदा बिखरावपूर्ण विश्व व्यवस्था में, यह फैसले टालने, जवाबदेही बगैर सहनशक्ति परखने व तथ्य... रणनीतिक अस्पष्टता कभी वक्त निकालने का तरीका था जिससे तनाव घटाया जा सके। ताकि इतिहास अपना काम कर सके। यह स्थायित्व में भी मददगार थी। लेकिन मौजूदा बिखरावपूर्ण विश्व व्यवस्था में, यह फैसले टालने, जवाबदेही बगैर सहनशक्ति परखने व तथ्य बदलने का जरिया है। यह अस्पष्टता अचानक विफल नहीं हुई बल्कि जानबूझकर की गयी।दशकों तक, रणनीतिक अस्पष्टता को समझदारी की तरह लिया जाता था, समय निकालने का तरीका, तनाव घटाएं और इतिहास को अपना काम करने दें। एक अधिक संतुलित दुनिया में, इसने स्थायित्व बनाने का काम किया। मौजूदा बिखरावपूर्ण विश्व व्यवस्था में, यह फैसला टालने, जवाबदेही बगैर सहनशक्ति परखने व तथ्य बदलने का जरिया है। जो उपाय कभी शांति कायम रखता था, आज अनिश्चितता बढ़ा रहा है। परिणाम है नियंत्रित विचलन। अस्पष्टता अचानक विफल नहीं हुई; जानबूझकर की गयी।

अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था ने शनै-शनै संयम को चुप्पी मानना सीख लिया। मुश्किल सवाल अनुत्तरित छोड़ दिए गये, सीमाएं अस्पष्ट और समयसीमा अनिर्धारित बनी रहीं। असमान महत्वाकांक्षा और अवसरवादी संशोधनवाद के युग में, अस्पष्टता सुरक्षा कवच की बजाय बोझ बन गई, जिसका दोहन वे करते हैं जिन्हें देरी करते जाने से फायदा है और भुगतना उन्हें पड़ता है जो विश्व व्यवस्था का पालन करने पर निर्भर रहते हैं। रणनीतिक अस्पष्टता की शुरुआत टालमटोल के तौर पर नहीं हुई थी। इसका मकसद था इरादे परखना और तालमेल बनने देना। यह कारगर रहा क्योंकि यह पारस्परिक आधार पर था और इसमें संतुलन शामिल था। समय के साथ, दोहराव ने इसे खोखला कर डाला। एक अस्थायी उपाय वह प्रवृत्ति बन गया;जिसका उद्देश्य नीयत स्पष्ट करना था, वह यथास्थिति की धीरे-धीरे, हिसाब-किताब लगाकर समाप्ति का तरीका बन गया। जब अस्पष्टता असमानता हो जाए - अनिर्धारित सीमाओं से इतर इसकी मिसाल कहीं इतनी साफ दिखाई नहीं देती। बहुत ऊंचाई वाले इलाकों में, नीति का मोल विरल हवा और जमी बर्फ में मापा जाता है। सबसे पहले नागरिकों को भुगतना पड़ता है, मसलन,कोई चरवाहा किसी रोज पाए कि एक गैर-मान्यताप्राप्त बाड़बंदी ने पीढ़ियों पुरानी उसकी चरागाह छीन ली या जब कोई ग्रामीण पाए कि पुरखों से चला रहा उसके क्षेत्र का नक्शा रात में खामोश सैनिक गश्त से पुनर्निर्धारित कर दिया गया। दूर समुद्र में , मछुआरों का यह पाना कि उनकी आजीविका रातोंरात अपराध बन गयी, इसलिए नहीं कि नक्शों की लकीरें सार्वजनिक रूप से पुनः खींची गई, बल्कि इसलिए कि वे जानबूझकर अस्पष्ट छोड़ दी थी।ऐसी सीमाओं पर, सैनिक अनिश्चितता को जीवन का अंग मानकर जीते हैं। वे उसी ऊबड़-खाबड़ ज़मीन पर चलते हैं, मामला निबटा देने की बजाए संयम बरतते हैं। जब अस्पष्टता पककर टकराव में बदल जाती है, तब उन्हें राजधानियों में अनिर्णय से पैदा जोखिम संभालने के लिए मानव बारूदी सुरंगों के रूप में आगे कर दिया जाता है।लीक बदलने की लोकतांत्रिक कीमत - लंबे समय तक जारी अस्पष्टता की कीमत समान रूप से नहीं झेलनी पड़ती। लोकतंत्र बहसों और जवाबदेही के जरिये अनिश्चितता को जज्ब करते हैं। संशोधनवादी व्यवस्थाएं छद्म रूप से अस्पष्टता चलाती हैं। असमान संदर्भों में, अस्पष्टता सबसे मज़बूत पक्ष का भरोसेमंद साथ निभाती है। लीक में बदलाव असमान लागत लागू करता है और औपचारिक पसंद के बगैर, अंश-वार बदलाव बनाता है। ऐसी स्थितियों में, स्पष्टता टकराव नहीं बढ़ाती ; यह लोकतांत्रिक स्वच्छता है।नियम कौन लिखता है - जब लोकतंत्र प्रारूप बनाने को टालते हैं, तो वे मूल स्वरूप खो देते हैं। नियम सहमति से नहीं, बल्कि बारंबार प्रक्रिया से बदलते हैं। अस्पष्टता विकल्पों का तबतक क्षरण करती जाती है जबतक कि सिर्फ़ एक ही बचे। एक सदी से भी पहले, लॉर्ड कर्जन ने पाया था कि सीमाओं को तय करने के बजाय उन्हें अनिर्धारित छोड़ देने से लाभ ज़्यादा होता है। उनकी यह अंतदृष्टि फायदा उठाने की गर्ज से थी। अस्पष्टता उस हित में है जो नक्शे को परिवर्तनीय और वक्त को हथियार की तरह बरतता है।समय सीमाओं का टकराव -2035 और 2047 - वह तर्क अब मद्धिम पड़ रहे वापसी बिंदु पर पहुंच चुका है। स्थिरता अब अनकही बातों पर और निर्भर नहीं रह सकती; यह योजनाबद्ध होनी चाहिए। चीन ने वर्ष 2035 को राष्ट्रीय कायाकल्प की समय-सीमा तय किया है। जबकि भारत का संकल्प साल 2047 तक है, जोकि आज़ादी का शताब्दी वर्ष है। बीच के दशकों को दूसरे की समयसीमा के हवाले करके कोई भी एक पक्ष ताकत का सभ्यतागत मील पत्थर हासिल नहीं कर सकता।

बंगाल में वर्चस्व के लिए टीएमसी-भाजपा टकराव तेज

सियासी महासंग्राम

तुषार गुप्ता

बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले ममता बनर्जी और भाजपा के बीच सियासी संघर्ष तेज़ हो गया है, जहां भ्रष्टाचार और विकास की राजनीति प्रमुख मुद्दे बने हैं।

भारत के पूर्वी प्रांत बंगाल में सियासी महासंग्राम शुरू हो चुका है। विधानसभा चुनाव मार्च या अप्रैल में होंगे। पांच मई तक नई सरकार को शपथ लेनी होगी। ममता बनर्जी इस समय कई कारणों से सुर्खियों में है। ईडी से उनका टकराव हाल की बात है। उससे पहले उन्होंने एसआईआर के खिलाफ जबर्दस्त आवाज उठाई और चुनाव आयोग को धमकाया। इन हालातों के मध्यनजर सुप्रीम कोर्ट को बीच में आना पड़ा और उन्हें शांत किया। ईडी ने वहां के कोयला कारोबारी और एक एजेंसी आईपैक के दफ्तरों और अन्य ठिकानों पर मनी लॉन्डरिंग के मामले में छापा मारा। ममता दीदी स्वयं वहां पहुंच गईं और फाइलें, लैपटॉप वगैरह उठा ले गईं तथा अपने पुलिस वालों से कहकर ईडी अफसरों और कर्मियों पर एफआईआर तक करवा दी। एफआईआर करवाना उनका पुराना तरीका है ताकि प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बना रहे। अब मामला हाईकोर्ट और यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट में चला गया।

सुप्रीम कोर्ट में देश के सबसे बड़े दो वकील ममता दीदी की तरफ से खड़े हो गए। ईडी ने कोलकाता छापेमारी मामले में बंगाल पुलिस के कामकाज में दखलंदाजी के आरोपों के बीच बंगाल पुलिस के महानिदेशक को हटाने की मांग की। सुप्रीम कोर्ट में ममता के वकीलों ने राज्य पुलिस द्वारा की गयी एफआईआर को न्यायसंगत बताया। न्यायाधीश ने नाराजगी जताई और कड़े शब्दों में कहा कि यह गंभीर विषय है कि राज्य पुलिस किसी वैधानिक केंद्रीय एजेंसी की कार्रवाई में हस्तक्षेप कर रही है। अदालत ने स्पष्ट किया कि संविधान

हर संस्था को स्वतंत्र रूप से काम करने का अधिकार देता है और राज्य पुलिस को यह छूट नहीं है कि वह ईडी जैसी एजेंसियों के काम में बाधा डाले। कोर्ट ने साफ किया कि अंतिम फैसले तक ईडी अधिकारियों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होगी। दूसरी ओर, ममता दीदी ने एसआईआर के खिलाफ मुहिम छेड़ रखी है, जहां से उन्हें डर है कि उनके समर्थकों के नाम ज्यादा संख्या में कट न जाएं। सभी जानते हैं कि बंगाल में घुसपैठ के चलते लाखों की तादाद में बांग्लादेशी मौजूद हैं। वे खुलेआम टीएमसी का समर्थन करते हैं और इसलिए पार्टी नहीं चाहती है कि उनके नाम कटें। इसके अलावा वहां रोहिंग्या भी बड़ी संख्या में आ घुसे हैं। उन्हें भी देश से भगाने की बात की जा रही है लेकिन ममता दीदी इसे स्वीकार नहीं करतीं।कम्युनिस्ट पार्टी और कांग्रेस के बंगाल में पतन के बाद अब वहां एक दशक से लड़ाई भाजपा बनाम तृणमूल के बीच है।

भाजपा ने पिछले दो चुनावों में काफी प्रयास किया, लेकिन वे टीएमसी की आक्रामक नीति और प्रशासन के सहयोग के सामने जीत का बिगुल नहीं बजा पाए। इस बार पार्टी नई रणनीति के साथ अमित शाह के नेतृत्व में उतरी है। उन्होंने बंगाल के चुनाव की कमान अपने हाथों में ले ली है। गृहमंत्री ने दिसंबर महीने में कोलकाता जाकर वहां पहले तो अपने पार्टी संगठन से जुड़े लोगों से बातचीत की और फिर आरएसएस के कार्यकर्ताओं से मंत्रणा की। मकसद था कि दोनों संगठनों में सामंजस्य बना रहे। उन्होंने बहुत ही आक्रामक ढंग से शुरुआत की है और उसके बाद पीएम मोदी खुद ही बंगाल पहुंच गए। उन्होंने वहां के हुगली जिले के सिंगूर में 830 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इतना ही नहीं, देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन भी बंगाल से ही शुरू की गई, जबकि राज्य को पहले ही लगभग आधा दर्जन अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाएं मिल चुकी हैं। ये सभी कार्यक्रम वोटरों को आकर्षित करने की योजना का हिस्सा हैं।

भाजपा और अमित शाह की नीति रही है कि बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं का हौसला बनाए रखा जाए। गृहमंत्री ने बंगाल में यही किया और उनसे हालात का जायजा लिया। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी के चुनींदा नेताओं तथा कार्यकर्ताओं के साथ भी गहन बातचीत की। स्थिति की समीक्षा करने और रणनीति बनाने के लिए उन्होंने भाजपा के विधायकों, सांसदों के अलावा म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सभासदों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की।

2003 की सूची से मैपिंग न होने वाले मतदाताओं की सुनवाई शुरू

○ 2199 लोगों को भेजा गया नोटिस, 400 मामलों का निस्तारण ○ नोटिस प्राप्त मतदाता आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित हों

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र में 2003 की मतदाता सूची से मैपिंग न हो पाने वाले मतदाताओं की सुनवाई शुरू हो गई। उप जिलाधिकारी एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बिल्हौर डॉक्टर संजीव दीक्षित की अध्यक्षता में सुनवाई की गई।

सुनवाई के दौरान पहले दिन 400 मतदाताओं के मामलों का निस्तारण किया गया। निर्वाचन कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक, आयोग के निर्देश पर बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा घर-घर जाकर ऐसे मतदाताओं को नोटिस वितरित किए गए थे। कुल 2199 मतदाताओं को नोटिस दिए गए, जिनके सापेक्ष सुनवाई प्रक्रिया प्रारंभ की गई। सुनवाई कार्य में एसडीएम बिल्हौर के साथ 15 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तैनात रहे और अलग-अलग केंद्रों पर अभिलेखों की जांच की गई।

सुनवाई 6 फरवरी तक होगी

अधिकारियों ने बताया कि यह सुनवाई अभियान 6 फरवरी 2026 तक सार्वजनिक अवकाशों को छोड़कर लगातार जारी रहेगा। नोटिस प्राप्त मतदाताओं को निर्धारित तिथि व स्थान पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने का अवसर दिया जा रहा है। पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाए रखने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है, ताकि किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से न छूटे।

80 वर्ष से अधिक उम्र और बीमार मतदाताओं को छूट

प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जिन मतदाताओं की आयु 80 वर्ष से अधिक है अथवा जो लंबी बीमारी से ग्रसित हैं, उनके लिए विशेष व्यवस्था की गई है। ऐसी स्थिति में मतदाता स्वयं उपस्थित न हो पाने पर अपने परिवार के किसी सदस्य को भेज सकते हैं। परिवार के सदस्य आयोग द्वारा निर्धारित 13 दस्तावेजों में से संबंधित साक्ष्य प्रस्तुत कर सकते हैं।

वंशावली से मैपिंग फेल, अब सुनवाई में तय होगी पात्रता

निर्वाचन अधिकारियों के अनुसार जिन मतदाताओं की मैपिंग वर्ष 2003 की मतदाता सूची से स्वयं, माता-पिता, दादा-दादी अथवा नाना-नानी के नाम से भी नहीं हो पाई है, उन्हें भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर नोटिस जारी किए गए हैं। ऐसे मतदाताओं को सुनवाई में बुलाकर अभिलेखों की गहन जांच की जा रही है, ताकि उनकी पात्रता का अंतिम निर्णय किया जा सके।

शेरो-शायरी और ग़ज़लों से सजेगी मकनपुर की रात आल इंडिया मुशायरा आज

➩ कल की रात खास कवि सम्मेलन का आयोजन होगा, तैयारियां पूरी

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। ऐतिहासिक कस्बा मकनपुर में बसंत पर्व के अवसर पर आयोजित 607वें प्राचीन मेले में आज रात अदब और शायरी की शानदार महफ़िल सजेगी। आल इंडिया मुशायरे में शेरो-शायरी और ग़ज़लों की मिठास से पूरा मेला परिसर महक उठेगा। इस अदबी महफ़िल में देश के नामचीन शायर अज़्म शाकिरी, डॉ. अना देहलवी, जौहर कानपुरी, जहाज़ देवबंदी, चरण सिंह बशर और हसन काज़मी अपनी बेहतरीन रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगे।

दिग्गज शायरों की मौजूदगी को लेकर अदब पसंद लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन मेला अध्यक्ष एवं एसडीएम बिल्हौर डॉ. संजीव दीक्षित फीता काटकर करेंगे। आयोजकों के अनुसार देर रात तक चलने वाली इस शायरी की महफ़िल में बड़ी संख्या में श्रोता आ रहे हैं, जिससे हर शेर पर दाद और तालियों की गूंज सुनाई देगी।

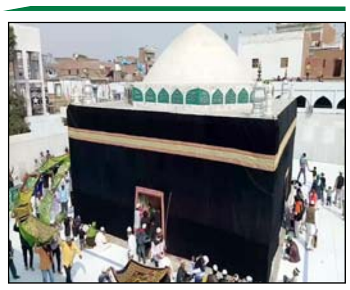

मेले में कल रात होगा कवि सम्मेलन

मकनपुर बसंत मेले के आयोजकों ने बताया कि कल यानी शुक्रवार रात मेला परिसर में खास कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। मेला खजांची व लेखपाल सुनील चौधरी और मेला कमेटी के सदस्य नंदलाल पाल, निर्मल गुप्ता और रामचंद्र ने बताया कि इस सम्मेलन में देश के प्रसिद्ध कवि और गीतकार श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। कवि सम्मेलन में लाफ्टर फेम हेमंत पाण्डेय,गीतकार पीसीएस अधिकारी विवेक मिश्रा, कवि के के अग्निहोत्री साथ ही अन्य कई प्रसिद्ध कवि अपनी रचनाओं और कविताओं के ज़रिए अदब प्रेमियों का मनोरंजन करेंगे। आयोजकों ने बताया कि कवि सम्मेलन में शायरों और कवियों की प्रस्तुति के दौरान श्रोता रात भर शायरी और गीतों के मज़े लेंगे और मेला परिसर में अदब का अलग ही रंग बिखरेगा।

अलीगढ़-कानपुर हाईवे पर बुलडोजर चला हटाया अतिक्रमण

एनएचएआई का अतिक्रमण हटाने का अभियान शुरू, दुकानदारों को चेतावनी

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। अलीगढ़-कानपुर नेशनल हाईवे पर बुधवार को नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने बड़े पैमाने पर अवैध कब्जा हटाने का अभियान चलाया। यह कार्रवाई बकोठी से अरौल थाना क्षेत्र तक हाईवे और सर्विस रोड पर केंद्रित रही।अभियान के दौरान जेसीबी और क्रेन से टीन शेड, गुमटी, पान मसाला की दुकान और अन्य अस्थायी संरचनाएं हटाई गईं। विशेष रूप से बिठूर-कानपुर हाईवे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे अंडरपास और सर्विस रोड के दोनों किनारों पर यह कार्रवाई की गई।

एनएचएआई के प्रोजेक्ट मैनेजर आलोक सिन्हा ने बताया कि अवैध दुकानों के कारण सड़क पर वाहनों की कतारें लंबी हो जाती हैं और दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि भविष्य में कोई भी दुकानदार अवैध कब्जा करता पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अभियान में अरौल थाना पुलिस और महिला पुलिसकर्मी भी मौजूद रहे। मौके पर यशवंत प्रजापति, आदित्य मिश्रा, सुनील सचान, नौशाद, प्रशांत, अमन, शिवप्रकाश, धर्मवीर, शिवराज और कुलदीप दुर्गेश सहित टीम ने सड़क सुरक्षा और यातायात सुगमता पर विशेष ध्यान दिया।एनएचएआई टीम ने राहगीरों और वाहन चालकों से सतर्क रहने की अपील की और कहा कि सड़क को सुरक्षित बनाने के लिए यह अभियान समय-समय पर जारी रहेगा।

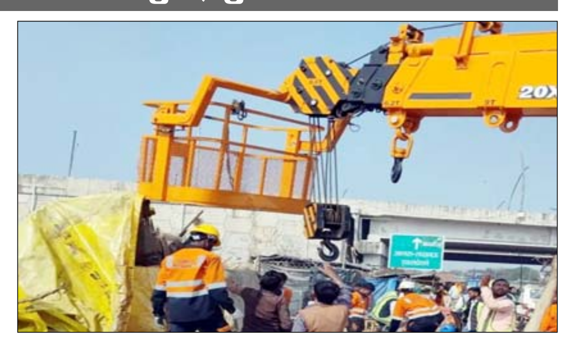

सपा के जनजागरण में अहिल्याबाई की प्रतिमा तोड़े जाने पर रोष

➩ विधानसभा अध्यक्ष ने कहा यह आस्था और इतिहास पर हमला

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। ककवन ब्लॉक के कुरेह गांव में समाजवादी पार्टी की ओर से जन-जागरूकता कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में सपा विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव ने सामाजिक एकता और संविधान की मजबूती पर जोर दिया।

उन्होंने हाल ही में अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त किए जाने की घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे समाज को बांटने वाली मानसिकता का परिणाम बताया और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। कार्यक्रम में पूर्व प्रधान चुन्नी लाल गौतम,डॉक्टर सीता राम,रघुवीर समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण, सपा कार्यकर्ता और स्थानीय नेता मौजूद रहे।

अकबरपुर जाम से रहता बेहाल ईओ के दावे हुए हवा-हवाई

» अतिक्रमण हटाने के लिए पांच सदस्यीय टीम का गठन किया गया, नतीजा सिफर

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अकबरपुर। अकबरपुर नगर पंचायत क्षेत्र में लगातार लगने वाले जाम की समस्या खत्म नहीं हो रही है। जिम्मेदार अधिकारियों के दावे और घोषणाएं ज़मीनी स्तर पर बेअसर साबित हो रही हैं। अधिशासी अधिकारी (ईओ) आशीष द्वारा पूर्व में की गई कार्रवाई की बातों पर अब सवाल उठने लगे हैं।

ईओ आशीष ने एक बार फिर अतिक्रमण को जाम की मुख्य वजह बताया और कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र के मार्गों पर अतिक्रमण बना रहता है, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में कठिनाई होती है। उन्होंने आश्वासन

आशीष, ईओ अकबरपुर

दिया कि अतिक्रमण को चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी। ईओ के अनुसार, 22 दिसंबर 2025 को अतिक्रमण हटाने के लिए पांच सदस्यीय टीम का गठन किया गया था।

इस टीम में उपजिलाधिकारी अकबरपुर को अध्यक्ष, क्षेत्राधिकारी पुलिस व यातायात को सदस्य, लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता को सदस्य तथा अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत को नोडल सचिव बनाया गया था।

हालांकि, पूरे एक महीने में न तो

अतिक्रमण हटा और न ही जाम से लोगों को राहत मिली।

अनंतराज हॉस्पिटल पर कार्रवाई सिर्फ बयान तक सीमित

जाम की सबसे बड़ी वजह माने जा रहे अनंतराज हॉस्पिटल को लेकर ईओ आशीष ने पहले नोटिस भेजने और कार्रवाई की बात कही थी,

लेकिन एक महीने बाद भी न नोटिस भेजा गया और न कोई कार्रवाई हुई। अब एक बार फिर ईओ ने नोटिस भेजने की बात दोहराई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अनंतराज हॉस्पिटल की गाड़ियां हाइवे और सर्विस लेन पर खड़ी रहती हैं।

जब दूसरी सर्विस लेन पर वाहन खड़े हो जाते हैं तो पूरा मार्ग जाम हो जाता है। इससे न केवल आवागमन बाधित होता है, बल्कि आए दिन दुर्घटनाएं भी हो रही हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि अनंतराज हॉस्पिटल के पास पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था नहीं है, इसके बावजूद हॉस्पिटल संचालित किया जा रहा है।

हाइवे पर खड़ी गाड़ियां यातायात नियमों का खुला उल्लंघन कर रही हैं। लोग सवाल उठा रहे हैं कि बिना पार्किंग सुविधा के हॉस्पिटल को संचालन की अनुमति किस आधार पर दी गई।

अमरौधा ब्लॉक में 'मिनी सचिवालय' कागज़ों में खुला, हकीकत में बंद

ताले में कैद सरकारी योजनाएँ, ग्रामीण बेहाल

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात।अमरौधा विकासखंड में सरकार की महत्वाकांक्षी ग्राम सचिवालय (मिनी सचिवालय) योजना जमीनी स्तर पर पूरी तरह फेल होती नजर आ रही है। ग्राम पंचायत नोनापुर में लाखों रुपये की लागत से बना पंचायत सचिवालय केवल सरकारी फाइलों तक सीमित रह गया है, जबकि वास्तविकता यह है कि सचिवालय पर हमेशा ताला लटका रहता है।

सरकार ने ग्रामीण जनता को एक ही छत के नीचे आवास योजना, वृद्ध व दिव्यांग पेंशन, शौचालय योजना, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, परिवार रजिस्टर की नकल सहित तमाम सुविधाएँ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। लेकिन अमरौधा ब्लॉक में इन आदेशों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है।

गुरुवार को जिला संवाददाता दोपहर 1बजकर 15 मिनट पर ग्राम पंचायत नोनापुर पहुंचा, तो पंचायत सचिवालय बंद मिला। न ग्राम सचिव उपस्थित थे और न ही कोई कर्मचारी। ग्रामीणों ने बताया कि सचिवालय केवल कागज़ों में ही संचालित दिखाया जाता है, जबकि वास्तविक सेवाओं के लिए उन्हें ब्लॉक, तहसील और जिला मुख्यालय के चक्कर काटने पड़ते हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम सचिव और प्रधान की लापरवाही के साथ-साथ ब्लॉक स्तर के अधिकारी भी इस पूरे मामले से आंख मूंदे हुए हैं। सचिवालय को कागज़ों में चालू दिखाकर उच्चाधिकारियों को गुमराह किया जा रहा है। नतीजतन सरकारी योजनाएँ जनता तक पहुँचने से पहले ही दम तोड़ रही हैं। लाखों की लागत से बने पंचायत भवनों में ताले लटकना न सिर्फ प्रशासनिक उदासीनता को उजागर करता है, बल्कि सरकारी धन की बर्बादी की भी तस्वीर पेश करता है। छोटे-छोटे कामों के लिए भटकते ग्रामीणों में भारी आक्रोश है और वे जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

अमरौधा ब्लॉक के खंड विकास अधिकारी अतिरिक्त प्रभार डीडीओ सुनील तिवारी से संपर्क करने का दो बार प्रयास किया लेकिन संपर्क नहीं हुआ है। एडीओ पंचायत अखिलेश कुशवाहा ने बताया है कि मामले की जानकारी नहीं है। पंचायत सचिव से जवाब तलब किया जाएगा।

अफसर मौके पर पहुंचे तो न मिला खनन, न ही मिले माफिया

एआरटीओ, नायब तहसीलदार व थाना प्रभारी ने खनन क्षेत्र की जांच की

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मूसानगर थाना क्षेत्र के कृपालपुर में संचालित साधारण मिट्टी खनन की खदान की जांच के लिए उपजिलाधिकारी भोगनीपुर द्वारा परिवहन एवं खनिज विभाग को पत्र भेजकर सूचना दी गई थी। इसी क्रम में एआरटीओ कानपुर देहात सोमलता यादव, नायब तहसीलदार अभिनय चतुर्वेदी एवं थाना प्रभारी महेश दुबे खनन क्षेत्र पहुंचे। जांच के दौरान मौके पर कोई भी खनन से जुड़ा वाहन मौजूद नहीं मिला। बताया गया कि सोमवार से ही खनिज विभाग द्वारा रॉयल्टी बंद कर दी गई थी। इसके बावजूद मंगलवार की सुबह कई ओवरलोड वाहन बिना रॉयल्टी के हाईवे पर दौड़ते देखे गए, जिसकी शिकायत सोशल मीडिया के माध्यम से की गई थी।

शिकायत सामने आने के बाद खनन क्षेत्र से जुड़े ट्रैक्टर-ट्रॉली, डंपर एवं जेसीबी मशीनों को हाईवे किनारे पेट्रोल पंपों व होटलों के पास खड़ा कर दिया गया। नायब तहसीलदार अभिनय चतुर्वेदी ने बताया कि प्रेम कुमारी के नाम खनन की अनुमति जारी है। खनन क्षेत्र की नाप कराई जा रही है और जांच रिपोर्ट खनिज अधिकारी को भेजी जाएगी। यदि अनुमति से अधिक खनन पाया गया तो नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वहीं एआरटीओ सोमलता यादव ने बताया कि ओवरलोड वाहनों की जांच के लिए मूसानगर क्षेत्र में थाना प्रभारी व नायब तहसीलदार के साथ संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया गया, जिसमें एक ओवरलोड डंपर को सीज कर थाने में खड़ा कराया गया है। इसके साथ ही खनन की अनुमति वाले गाटा के आसपास अन्य गाटों में भी मिट्टी खुदाई किए जाने की जानकारी सामने आई है, जिसकी जांच की जा रही है।

खनन क्षेत्र में जांच करते अधिकारी

अखिलेश यादव की सांसद निधि से सिसाही गांव में आरसीसी रोड का निर्माण शुरू

पूर्व जिला पंचायत सदस्य निर्देश यादव ने किया भूमि पूजन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कन्नौज लोकसभा सांसद अखिलेश यादव की सांसद निधि से सिसाही गांव में दो आरसीसी सड़कों के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने विधि-विधान से भूमि पूजन कर कार्य की शुरुआत की।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य निर्देश यादव ने यह सड़कें अखिलेश यादव, सांसद कन्नौज की ओर से स्वीकृत की गई हैं, जिनका शिलान्यास कन्नौज कार्यालय प्रभारी विजय कुमार यादव के समन्वय से किया गया। इस अवसर पर पूर्व प्रधान अनवर हुसैन भूरा ने कहा कि दयापुरवा सिसाही गांव में इन दो आरसीसी सड़कों के निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। कार्यक्रम में दीपू यादव, वीरू कुशवाहा, कप्तान यादव, लालू यादव, प्रांजुल, अनिल राठौर आदि उपस्थित रहे।

पंचायत सचिवालय का ताला टूटा, कीमती सामान व रिकॉर्ड चोरी

» सुबह पंचायत सहायक के सचिवालय पहुंचने पर घटना की जानकारी हुई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। डेरापुर थाना क्षेत्र के मवई मुक्ता गांव स्थित पंचायत सचिवालय में चोरी की घटना सामने आई है। बीती रात अज्ञात चोरों ने सचिवालय का ताला और जंगला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और चोरी को अंजाम दिया।

सुबह जब पंचायत सहायक सचिवालय पहुंचे तो उन्हें घटना की जानकारी हुई, जिसके बाद ग्राम प्रधान को सूचित किया गया। ग्राम प्रधान मीना देवी ने डेरापुर पुलिस को घटना की तहरीर दी। जिसमें बताया गया कि अज्ञात चोर सचिवालय से कंप्यूटर सिस्टम, पंखा, इनवर्टर, बैटरी सहित अन्य महत्वपूर्ण सरकारी दस्तावेज चोरी कर ले गए हैं। पुलिस ने मौके पर जांच-पड़ताल की। प्रभारी निरीक्षक संजेश कुमार ने बताया कि जांच की जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

झोपड़ी में लगी आग, कई पशु झुलसे

पशुओं को बचाने में युवक भी झुलसा, गांव वालों ने आग बुझाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात रसूलाबाद क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत मुर्रा के मजरा मक्का निवादा गांव में फूस की झोपड़ी में अचानक आग लग गई। आग लगने से झोपड़ी में बंधे कई पशु गंभीर रूप से झुलस गए, जबकि उन्हें बचाने गया एक युवक भी आग की चपेट में आ गया।

गांव के शिवनाथ सिंह तोमर के घर के पास बने बंगला (फूस की झोपड़ी) में भैंस, गाय व पड़िया बंधी हुई थीं। परिवार के लोग रोज की तरह पशुओं को झोपड़ी में बांधकर सो गए थे। रात में अचानक झोपड़ी में आग लग गई और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग की चपेट में आकर झोपड़ी में बंधी एक भैंस, दो पड़िया और एक गाय झुलस गईं। शिवनाथ सिंह के पुत्र कल्लू पशुओं को बचाने के लिए झोपड़ी की ओर दौड़े। इस दौरान कल्लू भी आग से झुलस गया। शोरगुल सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और किसी तरह आग पर काबू पाया। घटना की सूचना पर तिश्ती चौकी प्रभारी बृजेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच की। चौकी प्रभारी ने बताया कि पीड़ित पक्ष ने एक युवक पर झोपड़ी में आग लगाने का आरोप लगाया है। मामले की जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और मुआवजे की मांग की है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 । Email: swarajindia2023@gmail.com । Mob: 7800009853, । Website: www.swarajindianews.com । (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) प्रादेशिक कार्यालय :4ए/5, 119/10बी, खान बिल्डिंग, पार्क रोड हजरतगंज

आधी रात को घर में चोरी पुलिस बोली चोरी का प्रयास

गजनेर थाना क्षेत्र में लगातार चोरी के बावजूद कार्रवाई शून्य

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात, माती। गजनेर थाना क्षेत्र इन दिनों चोरों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बनता जा रहा है। ज्यूनिया गांव में हुई बड़ी चोरी की वारदात ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि पुलिस की गश्त और सुरक्षा कागज़ों तक सीमित रह गई है। बेखौफ चोरों ने घर में घुसकर नगदी व जेवरात समेत करीब एक लाख रुपये की चोरी कर ली और पुलिस को भनक तक नहीं लगी।

ज्यूनिया गांव निवासी जय सिंह के घर रात करीब 12 से 1 बजे के बीच चोर पीछे से चढ़कर छत पर पहुंचे। सीढ़ियों पर दरवाजा न होने का फायदा उठाते हुए वे आराम से घर के अंदर उतर आए और पूजा कक्ष में रखी अलमारी को तोड़कर चोर करीब 15 हजार रुपये नकद, गणेश-लक्ष्मी की चांदी की मूर्तियां, चांदी के 11 सिक्के, सिंहासन, सोने की अंगूठी और मंगलसूत्र चोरी कर ले गए। उस वक्त घर के अलग-अलग कमरों में परिवार के सभी सदस्य सो रहे थे, लेकिन चोर वारदात को अंजाम देकर निकल गए कि किसी को भनक तक नहीं लगी। जब रात करीब एक बजे गृहस्वामी के बेटे अजय सिंह की नींद खुली और उन्होंने

बाहर निकलने का प्रयास किया, तो दरवाजा बाहर से बंद मिला। शोर मचाने पर परिवार को चोरी का पता चला। सूचना मिलने पर यूपी 112 और पामां चौकी प्रभारी मौके पर पहुंचे। थाना प्रभारी जनार्दन प्रताप सिंह ने इस चोरी को केवल चोरी का प्रयास बताकर मामले को हल्का करने की कोशिश की। जब नगदी और जेवरात साफ तौर पर गायब हैं, अलमारी टूटी हुई है और पीड़ित परिवार नुकसान गिना रहा है, तो इसे प्रयास कहना किसे बचाने की कोशिश है?।

गौरतलब है कि गजनेर थाना क्षेत्र में पिछले कुछ समय से चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। इसके बावजूद न तो किसी गिरोह का खुलासा हुआ, न ही किसी चोर की गिरफ्तारी। क्षेत्रवासियों की मांग है कि जल्द से जल्द चोरी की घटनाओं का खुलासा हो, गश्त बढ़ाई जाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो।

तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

ऑटो सवार तीन लोग गंभीर घायल, हैलट रेफर

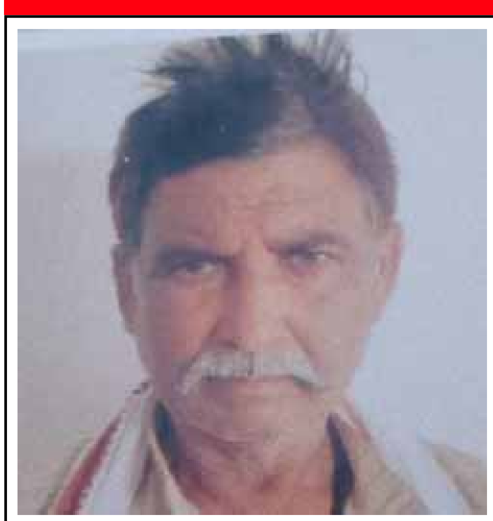

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार अधेड़ की मौके पर ही मौत हो गई,

जबकि ऑटो में सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें हैलट अस्पताल कानपुर रेफर कर दिया।

रसूलाबाद थाना क्षेत्र के चौबे निवादा गांव निवासी धर्मपाल (45) अपने परिवार के साथ जिनई बनीपारा स्थित बाणेश्वर शिव मंदिर गए थे। वहां से धर्मपाल अपने दामाद अमित निवासी डोमापुर के साथ बाइक से घर लौट रहे थे, जबकि उनका बेटा अक्षय और नातिन सृष्टि पुत्री सोनू ऑटो से चौबे निवादा स्थित अपने घर जा रहे थे। जब दोनों वाहन पहाड़ीपुर पार कर छुईया नाला के पास पहुंचे, तभी विपरीत दिशा से आ रहे एक अज्ञात तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक और ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार धर्मपाल गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि ऑटो में सवार लोग भी चोटिल हो गए। हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंचे लोगों ने एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रसूलाबाद पहुंचाया। जहां डॉक्टर शैलेंद्र कुमार ने धर्मपाल को मृत घोषित कर दिया। वहीं अन्य तीन घायलों की हालत गंभीर देखते हुए हैलट अस्पताल कानपुर रेफर कर दिया गया। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश कर रही है।

कमजोर विद्यार्थियों को अतिरिक्त सहयोग देकर बनाएं निपुण

» मिशन निपुण के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर रसूलाबाद बीआरसी में समीक्षा बैठक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद विकासखंड में बुधवार को मिशन निपुण के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक बीआरसी कार्यालय में की गई। जिसमें विकासखंड के समस्त प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, शिक्षक व खंड शिक्षा अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी अजब सिंह ने विद्यालयों को निपुण बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बच्चों की विद्यालय उपस्थिति बढ़ाने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि निपुण लक्ष्य के अंतर्गत निर्धारित मानकों की प्राप्ति के लिए शिक्षण कार्य को अधिक प्रभावी, योजनाबद्ध एवं परिणामोन्मुखी बनाया जाना आवश्यक है। इस दौरान एसआरजी अजय कुमार गुप्ता ने उपस्थित शिक्षकों को निपुण विद्यालय एवं निपुण लक्ष्य से संबंधित सभी बिंदुओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने निपुण असेसमेंट, बच्चों के अधिगम स्तर के आकलन तथा शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार के उपायों पर प्रकाश डाला। एआरपी पारुल निरंजन एवं सोनू सिंह ने कक्षा-कक्ष शिक्षण को रोचक एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए टीएलएम, विज्ञान किट एवं गणित किट के अधिकाधिक उपयोग पर बल दिया। बैठक में कमजोर विद्यार्थियों की पहचान कर उन्हें अतिरिक्त सहयोग, नियमित अभ्यास और निरंतर मार्गदर्शन के माध्यम से अपेक्षित स्तर तक लाने पर भी विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में केसी मिश्रा, शैलेन्द्र, विवेक पाल, नागेंद्र, अख्तर हुसैन, गौरव सिंह, अनूप अवस्थी, अनुराग पांडे, शिवनाथ, मनोज कुशवाहा, सतेंद्र, दीपा रानी, वंदना मिश्रा, तृप्ति, सचिन छावड़ा, शिव गोविंद, बीरेंद्र कुमार, सौरभ, अनुपमा मिश्रा, सुभाष चंद्र, अनिल कुमार, निधि मिश्रा, रीना शर्मा सहित अनेक शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

65 किमी तटबंध की मांग ने पकड़ा जोर, बाढ़ से तबाह किसानों की पुकार

कढ़हर से अटैना घाट तक फरवरी में निकलेगी 'तटबंध बनाओ' विशाल पदयात्रा

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद। ढाई घाट गंगा तट से पांचाल घाट तक लगभग 65 किलोमीटर लंबे तटबंध के अभाव में हर साल बाढ़ की विभीषिका किसानों की मेहनत पर पानी फेर देती है। खेत जलमग्न हो जाते हैं, फसलें नष्ट होती हैं और हजारों परिवारों के सामने रोज़ी-रोटी का संकट खड़ा हो जाता है। इसी मांग को लेकर 'तटबंध बनाओ संघर्ष समिति' के बैनर तले आंदोलन तेज हो गया है।

संघर्ष समिति के कर्ताधर्ता एवं फर्रुखाबाद विकास मंच के जिला अध्यक्ष आशीष मिश्रा उर्फ भइयन मिश्रा के नेतृत्व में 11 से 15 फरवरी तक कढ़हर से अटैना घाट तक गंगा के किनारे-किनारे 'तटबंध बनाओ' विशाल पदयात्रा निकालने की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। पदयात्रा का उद्देश्य आमजन को जागरूक करना और शासन-प्रशासन व जनप्रतिनिधियों का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर खींचना है।चार विधानसभाओं से जुड़ा मुद्दा, फिर भी चुप्पीभइयन मिश्रा का कहना है कि यह प्रस्तावित तटबंध जनपद की चारों विधानसभा क्षेत्रों को प्रभावित करता है, इसके बावजूद जनप्रतिनिधि और सांसद इस पर गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। तीन-चार महीने पहले ढाई घाट पर धरना-प्रदर्शन और आमरण अनशन तक किया जा चुका है, लेकिन ठोस पहल नहीं हुई। उन्होंने कहा, जब इस कार्य के लिए कदम बढ़ा दिए हैं तो पीछे नहीं हटेंगे। आंदोलन के जरिए किसानों और प्रभावित परिवारों को उनका हक दिलाकर रहेंगे, चाहे जितना संघर्ष करना पड़े। संघर्ष समिति के अनुसार, जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी द्वारा ढाई घाट से पांचाल घाट तक के आंशिक कार्य के लिए करीब 495 करोड़ रुपये का अनुमानित खाका तैयार किया गया था, जिसे समिति ने पर्याप्त नहीं माना। समिति का तर्क है कि पूरे 65 किमी तटबंध के निर्माण पर लगभग 1200 से 1500 करोड़ रुपये का खर्च आएगा और समस्या का स्थायी समाधान तभी संभव है जब सम्पूर्ण तटबंध का निर्माण कराया जाए।

डीएम को ज्ञापन देते संघर्ष समिति के अध्यक्ष

बाढ़ नहीं, सरकारी नक्शों से मिटे गांव!

फर्रुखाबाद विधानसभा क्षेत्र में कई ऐसे गांव हैं, जो केवल बाढ़ की मार से ही नहीं बल्कि प्रशासनिक उपेक्षा के चलते सरकारी नक्शों तक से गायब हो चुके हैं। गंगा की विनाशकारी बाढ़ में ये गांव महीनों जलमग्न रहे, लेकिन राहत-पुनर्वास के नाम पर इन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिले।ढोली की मढ़ैया, ठठ की मढ़ैया, पृथ्वीपुर, गयादीन की मढ़िया, शिकारपुर, छोटी गुलरिया, बड़ी गुलरिया, कटरी धरमपुर पंखियां की मढ़ैया, धरमपुर-बिलावलपुर, गंगपुर, छोटी गुलरिया जैसे दर्जनों गांव फर्रुखाबाद विधानसभा क्षेत्र में आते हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बाढ़ के बाद कई गांवों का राजस्व अभिलेखों और सरकारी नक्शों में अस्तित्व ही समाप्त कर दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि जब गांव कागजों में नहीं रहे, तो उन्हें मुआवजा, आवास, राशन, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं कैसे मिलेंगी। वर्षों से ये गांव हर बाढ़ में उजड़ते रहे, लेकिन स्थायी पुनर्वास की कोई ठोस योजना अब तक नहीं बनी।

व्यापारियों को मिले राजनीतिक हिस्सेदारी, उठाएंगे जोरदार आवाज

प्रतिनिधि उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनूप शुक्ला का स्वागत, व्यापारी महासम्मेलन कानपुर में 29 जनवरी को

»स्वराज इंडिया ब्यूरो

अयोध्या। प्रतिनिधि उद्योग व्यापार मंडल (रजि., उ.प्र.) की अयोध्या इकाई ने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनूप शुक्ला के आगमन पर भव्य स्वागत किया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रदेश में व्यापारियों का लगातार उत्पीड़न हो रहा है और समस्याओं के प्रभावी समाधान के लिए व्यापारियों को राजनीतिक हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। उन्होंने बताया कि व्यापारी उत्पीड़न व राजनीतिक भागीदारी सहित अन्य मांगों को लेकर 29 जनवरी को कानपुर में व्यापारी महासम्मेलन आयोजित किया जाएगा। जिसमें प्रदेशभर के व्यापारी नेता शामिल होंगे। महासम्मेलन के बाद मांग-पत्र प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री तक भेजा जाएगा जिला अध्यक्ष शशि प्रकाश मिश्र के नेतृत्व में राष्ट्रीय अध्यक्ष अनूप शुक्ला, राष्ट्रीय महामंत्री सज्जन गुप्ता (कानपुर) का स्वागत किया गया।

मिर्ज़ापुर में जिम सेंटर की आड़ में युवतियों से ब्लैकमेलिंग का खुलासा, 4 गिरफ्तार

शहर में संचालित केजीएन जिम, आयरन फायर सहित कुछ अन्य जिम सेंटरों से जुड़ा यह मामला सामने आया

»स्वराज इंडिया ब्यूरो

मिर्ज़ापुर। जनपद में जिम सेंटर की आड़ में युवतियों को ब्लैकमेल करने के एक गंभीर मामले का खुलासा हुआ है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार शहर में संचालित केजीएन जिम, आयरन फायर सहित कुछ अन्य जिम सेंटरों से जुड़ा यह मामला सामने आया है।

आरोप है कि जिम आने वाली कुछ युवतियों के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक के माध्यम से अश्लील डीप फेक वीडियो तैयार किए गए और उन्हें वायरल करने की धमकी देकर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया।पीड़ित युवतियों ने पुलिस को बताया कि फर्जी अश्लील वीडियो दिखाकर उन्हें बदनाम करने की धमकी दी जाती थी, जिससे वे भय और दबाव में आ जाती थीं। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज किया और 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस प्रकार के मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जाएगी। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है और जिम सेंटरों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी को इस तरह की ब्लैकमेलिंग, साइबर अपराध या जिम सेंटरों से जुड़ी संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

माघ मेले में संत सम्मान का सवाल शंकराचार्य के स्नान विवाद पर उबाल

अधिवक्ता तरुणजीत वर्मा की दो टूक जरूरत पड़ी तो सुप्रीम कोर्ट जाएंगे

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। प्रयागराज माघ मेले में शंकराचार्य स्वामी अभिमुक्तेश्वरानंद के स्नान को लेकर खड़ा हुआ विवाद अब केवल प्रशासनिक कार्रवाई तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह संत समाज की गरिमा और अधिकारों का बड़ा प्रश्न बनता जा रहा है। इस पूरे प्रकरण पर शंकराचार्य के अधिवक्ता तरुणजीत वर्मा ने प्रयागराज प्रशासन की कार्रवाई को निंदनीय बताया है और स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि नोटिस वापस नहीं लिया गया तो मामला सर्वोच्च न्यायालय तक जाएगा।

अधिवक्ता तरुणजीत वर्मा

अधिवक्ता तरुणजीत वर्मा ने कहा कि महाकुंभ जैसे पवित्र, सनातन आस्था के महायज्ञ में एक प्रतिष्ठित शंकराचार्य के स्नान को लेकर नोटिस जारी करना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि यह पूरे संत समाज के सम्मान पर सीधा प्रहार है। उन्होंने दो टूक कहा कि प्रशासन की यह कार्रवाई सनातन परंपराओं की भावना के विपरीत है। प्रयागराज प्रशासन द्वारा जारी नोटिस का विधिक जवाब दे दिया गया है और नोटिस को तत्काल वापस लेने की मांग की गई है। यदि प्रशासन अपने निर्णय पर अड़ा रहता है तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आवश्यकता पड़ने पर इस मामले को सुप्रीम कोर्ट तक ले जाया जाएगा।

गौरतलब है कि अधिवक्ता तरुणजीत वर्मा वर्तमान में शंकराचार्य स्वामी अभिमुक्तेश्वरानंद से जुड़े अयोध्या जनपद के सभी मामलों की पैरवी कर रहे हैं। वे टांडा के पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ अधिवक्ता स्वर्गीय सरबजीत लाल वर्मा के पौत्र हैं, जिन्होंने राम मंदिर आंदोलन के दौरान निर्मोही अखाड़ा की ओर से महत्वपूर्ण विधिक भूमिका निभाई थी। उनके पिता स्वर्गीय रंजीत लाल वर्मा भी अपने समय के जाने-माने वरिष्ठ अधिवक्ता रहे।

युवक को बंधक बनाकर पीटा, नंगा कर वीडियो बनाया

रामनगरी में दबंगई का राज

» पीड़ित युवक इतना भयभीत था कि उसने किसी से कुछ नहीं बताया

पीड़ित युवक गणेश यादव

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या।रामनगरी अयोध्या, जहां मर्यादा और संस्कार की बात की जाती है, वहीं दबंगई की एक ऐसी बर्बर तस्वीर सामने आई है जिसमें एक युवक को पहले जमकर पीटा और बाद में उसे नंगा कर वीडियो भी बनाया। इस घटना ने पूरे जिले को झकझोर कर रख दिया है। कोतवाली अयोध्या क्षेत्र में घटित इस सनसनीखेज वारदात ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर कानून का डर किसे है?

आरोप है कि प्रतिष्ठित मौर्य मिष्ठान भंडार के भतीजे एवं मौर्य इलेक्ट्रॉनिक के संचालक गोलू मौर्य ने अपने साथियों के साथ मिलकर दुकान पर काम करने वाले युवक गणेश यादव को 19 तारीख को बंधक बना लिया। इसके बाद उसे बेरहमी से पीटा गया, मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया। हैवानियत की हद तब पार हो गई जब युवक को नंगा कर उसका वीडियो बनाया गया ।घटना के बाद पीड़ित युवक इतना भयभीत था कि उसने किसी से कुछ कहने की हिम्मत तक नहीं जुटाई। दबंगों की दहशत इतनी गहरी थी कि उसकी आवाज़ भीतर ही घुटती रही। लेकिन जब उसके भाई संजय यादव ने सख्ती से पूछताछ की, तब इस काली करतूत का पूरा सच सामने आया। मामले की जानकारी मिलते ही कोतवाली अयोध्या में तहरीर दी गई, जिसके आधार पर पुलिस ने मुख्य आरोपी गोलू मौर्य और वीडियो बनाने वाले मोनू गुप्ता के खिलाफ एफआईआर दर्ज की।

लोकसभा अध्यक्ष से ब्लॉक प्रमुख संघ के जिलाध्यक्ष ने की शिष्टाचार भेंट

अयोध्या। राजभवन, लखनऊ में ब्लॉक प्रमुख संघ अयोध्या के जिला अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। भेंट में ग्रामीण विकास, जनप्रतिनिधित्व और स्थानीय स्वशासन से जुड़े विषयों पर संक्षिप्त चर्चा हुई। शिवेंद्र सिंह ने अयोध्या जनपद की समस्याओं एवं विकास संबंधी मुद्दों से लोकसभा अध्यक्ष को अवगत कराया।

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर राम मंदिर परिसर में आध्यात्मिक आयोजन

» श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ने राष्ट्रपति को दिया आमंत्रण

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र न्यास द्वारा चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, संवत् 2083 (19 मार्च 2026) को श्रीराम जन्मभूमि परिसर में आयोजित होने वाले विशेष कार्यक्रम के लिए भारत की राष्ट्रपति दौपद्री मुर्मू को औपचारिक रूप से आमंत्रण दिया गया है। यह आयोजन रामनगरी अयोध्या के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और राष्ट्रीय गौरव से जुड़े एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में देखा जा रहा है।न्यास की ओर से दिए गए इस निमंत्रण के अवसर पर महामंत्री चंपत राय, कोषाध्यक्ष स्वामी गोविन्देव गिरी जी, न्यासी कृष्णमोहन तथा राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र उपस्थित रहे। न्यास पदाधिकारियों ने कार्यक्रम के उद्देश्य, उसकी गरिमा और राष्ट्रीय महत्व से राष्ट्रपति महोदया को अवगत कराया।

अयोध्या पुलिस में बड़ा उलटफेर

बदले 4 निरीक्षक व 3 उपनिरीक्षक

एसएसपी ने दो थानाध्यक्ष को पुलिस लाइन भेजा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। जनपद अयोध्या में पुलिस महकमे के भीतर एक बार फिर बड़ा फेरबदल देखने को मिला है। एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने चार निरीक्षकों और तीन उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव कर दिया है। इस फेरबदल ने थानों से लेकर पुलिस लाइन तक हलचल बढ़ा दी है।

जारी आदेश के अनुसार अपराध शाखा में तैनात जिले के चर्चित निरीक्षक देवेंद्र पांडेय को प्रभारी निरीक्षक थाना तारुन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं पुलिस लाइन में तैनात निरीक्षक संतोष कुमार को प्रभारी निरीक्षक थाना कुमारगंज बनाया गया है। इसी क्रम में निरीक्षक सुमित कुमार श्रीवास्तव को पुलिस लाइन से हटाकर प्रभारी मीडिया मॉनिटरिंग सेल/सोशल मीडिया सेल की कमान दी गई है, जबकि अपराध शाखा में तैनात निरीक्षक परशुराम ओझा को प्रभारी न्यायालय सुरक्षा नियुक्त किया गया है। उपनिरीक्षकों के स्तर पर भी अहम बदलाव किए गए हैं। कोतवाली नगर में तैनात उपनिरीक्षक विजय प्रताप तिवारी को वरिष्ठ उपनिरीक्षक कोतवाली बीकापुर बनाया गया है। वहीं थाना तारुन के थानाध्यक्ष उपनिरीक्षक संदीप कुमार त्रिपाठी को पुलिस लाइन भेज दिया गया है। वहीं थाना कुमारगंज के थानाध्यक्ष उपनिरीक्षक ओम प्रकाश को भी पुलिस लाइन भेजा गया है।

पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के बीच तेज, आधुनिक और रात्रिकालीन यात्रा को मिली नई रफ्तार

वंदे भारत स्लीपर का जबरदस्त क्रेज

24 घंटे में सभी सीटें फुल

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

हावड़ा। असम के कामाख्या और पश्चिम बंगाल के हावड़ा के बीच चलने वाली देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को यात्रियों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। ट्रेन की पहली व्यावसायिक यात्रा के लिए शुरू हुई टिकट बुकिंग 24 घंटे से भी कम समय में पूरी तरह फुल हो गई। रेलवे के अनुसार, सभी श्रेणियों की सीटें कुछ ही घंटों में बुक हो गईं, जिससे यात्रियों के बीच इस अत्याधुनिक ट्रेन को लेकर उत्साह साफ नजर आया।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि वंदे भारत स्लीपर रेलगाड़ी (संख्या 27576) की टिकट बुकिंग 19 जनवरी को सुबह 8 बजे पीआरएस और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर शुरू हुई थी। 22 जनवरी को कामाख्या से रवाना होने वाली ट्रेन की सभी सीटें उसी दिन बुक हो गईं। यह ट्रेन 23 जनवरी से हावड़ा से अपनी पहली व्यावसायिक यात्रा शुरू करेगी।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 जनवरी को देश की पहली वंदे भारत शयनयान ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। आधुनिक सुविधाओं से लैस यह ट्रेन लंबी दूरी की रात्रिकालीन यात्रा को आरामदायक और तेज बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है।कामाख्या-हावड़ा वंदे भारत स्लीपर के संचालन से पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के बीच रेल संपर्क मजबूत होने की उम्मीद है। बेहतर यात्रा समय, विश्वस्तरीय सुविधाएं और आरामदायक स्लीपर कोच यात्रियों के लिए इसे एक प्रीमियम विकल्प बनाते हैं।

⇨ **कामाख्या-हावड़ा वंदे भारत स्लीपर की पहली व्यावसायिक यात्रा से पहले ही रिकॉर्ड बुकिंग**

वंदे भारत स्लीपर के टिकटों के लिए कड़े नियम

- यदि यात्री प्रस्थान समय से 8 घंटे पहले या उससे कम समय में कंफर्म टिकट रद्द करता है, तो एक भी पैसा रिफंड नहीं मिलेगा।
- यदि कंफर्म टिकट 72 घंटे से पहले रद्द किया जाता है, तो किराये का 25 प्रतिशत शुल्क काटा जाएगा।
- ये नियम रेल मंत्रालय की 16 जनवरी को जारी अधिसूचना के तहत लागू किए गए हैं।

चलती स्लीपर बस में भीषण आग यात्रियों ने कूदकर बचाई जान

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

⇨ **कानपुर से दिल्ली जा रही बस में मथुरा के पास हादसा, 13 यात्री सुरक्षित**

⇨ **फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया आग पर काबू, जांच शुरू**

मथुरा। यूपी के मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर गुरुवार तड़के उस समय हड़कंप मच गया, जब कानपुर से दिल्ली जा रही एक स्लीपर बस में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगते ही बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। चीख-पुकार के बीच यात्रियों ने खिड़कियों और दरवाजों से कूदकर किसी तरह अपनी जान बचाई।हादसा सुबह करीब 5ः15 बजे हराया थाना क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस-वे के माइलस्टोन 110 के पास हुआ। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, एक्सप्रेस-वे अथॉरिटी और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

पुलिस के अनुसार बस में कुल 13 यात्री सवार थे, जिनमें 7 पुरुष, 3 महिलाएं और 3 बच्चे शामिल थे। गनीमत रही कि सभी यात्री सुरक्षित हैं।

आग लगने के बाद यात्रियों को दूसरी बस से उनके गंतव्य की ओर रवाना कर दिया गया।बताया गया है कि आग लगने वाली बस (P 90 AT 8837) बांदा में राज कल्पना, संस्कार ट्रैवल्स के नाम पर रजिस्टर्ड है। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर किसी तकनीकी खराबी की आशंका जताई जा रही है, हालांकि स्पष्ट कारण जांच के बाद ही सामने आएगा।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद बनाम माघ मेला प्रशासन, 48 घंटे में दूसरा नोटिस

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

⇨ **मौनी अमावस्या पर बैरियर तोड़ने और पालकी ले जाने का आरोप, मेला क्षेत्र से स्थायी बैन की चेतावनी**

प्रयागराज। प्रयागराज में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद और माघ मेला प्रशासन के बीच टकराव लगातार गहराता जा रहा है। प्रशासन ने 48 घंटे के भीतर शंकराचार्य को दूसरा नोटिस जारी किया है। इस नोटिस में मौनी अमावस्या के दिन बैरियर तोड़कर जबरन पालकी के साथ भीड़ में प्रवेश करने और सुरक्षा व्यवस्था को खतरे में डालने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। साथ ही चेतावनी दी गई है कि संतोषजनक जवाब न मिलने पर उन्हें हमेशा के लिए माघ मेले से प्रतिबंधित किया जा सकता है।

दूसरे नोटिस में मेला प्रशासन ने दो अहम सवाल उठाए हैं। पहला, मौनी अमावस्या के दिन इमरजेंसी के लिए रिजर्व रखे गए पांटून पुल पर लगे बैरियर को तोड़कर बिना अनुमति बग्घी के साथ संगम जाने की कोशिश क्यों की गई, जिससे भगदड़ की स्थिति बन सकती थी और श्रद्धालुओं की सुरक्षा खतरे में पड़ गई। प्रशासन का आरोप है कि इस वजह से व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हुई और भीड़ को नियंत्रित करने में भारी दिक्कत आई।दूसरा सवाल यह है कि अविमुक्तेश्वरानंद खुद को शंकराचार्य बताते हुए मेले में बोर्ड और होर्डिंग क्यों लगवा रहे हैं, जबकि सुप्रीम कोर्ट की ओर से उनके शंकराचार्य होने पर रोक लगी हुई है।

नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि 24 घंटे के भीतर संतोषजनक जवाब न मिलने पर संस्था को दी गई जमीन और सुविधाएं रद्द की जा सकती हैं।वहीं, अविमुक्तेश्वरानंद के मीडिया प्रभारी शैलेंद्र योगी राज ने प्रशासन की कार्रवाई को बदले की भावना से प्रेरित बताया है। उनका आरोप है कि नोटिस गुपचुप तरीके से पंडाल के पीछे चस्पा किया गया और उसे बैक डेट में जारी किया गया। उन्होंने कहा कि बुधवार देर रात एक कर्मचारी शिविर में आया और नोटिस का जवाब न देने की बात कही, तब उन्हें इसकी जानकारी हुई। फिलहाल नोटिस का जवाब तैयार कर लिया गया है, जिसे जल्द प्रशासन को सौंपा जाएगा।

गौरतलब है कि इससे पहले सोमवार रात मेला प्रशासन की ओर से पहला नोटिस दिया गया था, जिसे शिष्यों ने रात में लेने से मना कर दिया था। इसके बाद मंगलवार सुबह नोटिस शिविर के गेट पर चस्पा किया गया था। पूरा विवाद 18 जनवरी को मौनी अमावस्या के दिन शुरू हुआ था, जब पालकी में स्नान को लेकर पुलिस और शिष्यों के बीच धक्का-मुक्की हुई थी, जिसके बाद शंकराचार्य धरने पर बैठ गए थे।